14 इंक्यूबेशन सेंटर से 15 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा रोजगार

केंद्र सरकार ने दिए हैं 47 करोड़ रुपये, प्रदेश में अप्रैल तक शुरू होंगे खाद्य प्रसंस्करण के सेंटर

चंद्रभान यादव

लखनऊ। प्रदेश में अप्रैल के बाद खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े 14 इंक्यूबेशन सेंटर शुरू हो जाएंगे। सेंटरों का निर्माण पूरा होने के बाद मशीनें लगाई जा रही हैं। इन सेंटरों से करीब 15 हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार मिलेगा। किसान और स्वयं सहायता समूह कम लागत में अपना कारोबार शुरू कर सकेंगे।

प्रदेश के 14 जिलों में खाद्य प्रसंस्करण इंक्यूबेशन सेंटर के लिए केंद्र सरकार की ओर से 47 करोड़ रुपया दिया गया है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना के तहत इन सेंटरों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। कुछ सेंटरों पर मशीनें स्थापित हो गई हैं तो कुछ स्थानों पर मार्च तक मशीन लगाने का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अप्रैल में इन सेंटरों को शुरू करने की तैयारी है। इन सेंटरों पर किराये के आधार पर किसान और उद्यमी प्रसंस्करण संबंधी कार्य कर सकेंगे। उन्हें मशीनें प्रयोग करने के लिए मामूली किराया देना होगा।

खास बात यह है कि यहां उत्पाद तैयार करने के लिए महिला समूहों को वरीयता दी जाएगी। इन सेंटरों के शुरू होने से उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा सकेगा।

किसान और समूह कम लागत में ही शुरू कर सकेंगे कारोबार

सेंटरों पर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि एक जिला- एक उत्पाद पर आधारित इन सेंटरों को जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। यहां कच्चे माल की सफाई, ग्रेडिंग, पैकेजिंग प्रसंस्करण जैसी सुविधाएं मिलेंगी। सेंटरों पर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। स्वयं समूहों के उत्पाद भी ब्रांडेड कंपनियों से मुकाबला कर सकेंगे। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह अहम परियोजना है। इन केंद्रों पर प्रशिक्षण और कौशल उन्नयन का भी कार्य किया जाएगा।

मेरठ में गुड़ और सहारनपुर में शहद, गुड़ एवं जूस से जुड़े उत्पाद पर होगा कारोबार

खाद्य प्रसंस्करण विभाग के उपनिदेशक डॉ. एसके चौहान ने बताया कि 14 इंक्यूबेशन सेंटर में अलग-अलग चीजें बनाने की मशीनें लगाई गई हैं। इसमें झांसी में प्रमुख रूप से तुलसी अर्क व अन्य औषधीय पौधों का अर्क, आगरा में पेठा व नमकीन, अयोध्या में गुड़ व नमकीन, गोरखपुर में बेकरी, लखनऊ में आम का जूस और गुड़, बरेली में दूध व जूस, वाराणसी में मसाला, अलीगढ़ में नमकीन, मेरठ में गुड़, मिर्जापुर में दूध व मसाला, कौशांबी में दूध, कानपुर देहात में बेकरी और सहारनपुर में शहद, गुड़ एवं जूस से जुड़े उत्पाद पर कारोबार होगा।

- **क्या है इंक्यूबेशन सेंटर :** इंक्यूबेशन सेंटर में कारोबार शुरू करने के लिए सलाह मिलेगी। बाजार का नेटवर्क तैयार करने, उत्पाद की गुणवत्ता और मार्केटिंग की जानकारी दी जाएगी। कच्चे माल से यहां लगी मशीनों की मदद से अलग- अलग चीजें बनाई जा सकती हैं। यहां लगी मशीन से बेहतर पैकिंग की जा सकेगी। उदाहरण के लिए लखनऊ के बागवान यहां आम लेकर आएंगे। उन आमों की छंटाई, धुलाई, छिलाई करने के बाद जूस निकालने एवं पैकिंग आदि का कार्य इस सेंटर पर हो सकेगा। ऐसे में प्रसंस्करण के लिए बागवानों को अत्याधुनिक मशीन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगा।